विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -11- 10-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -8 एकांकी के बारे में अध्ययन करेंगे।

गृहस्वामी : अरे भाई.... मैं क्या गलत कह रहा हूँ..... हाँ तो नौ इतवार और तीन छुट्टियाँ - यानी बारह दिन तुमने काम नहीं किया-यानी तुम्हारे बारह रुबल कट गए। उधर काल्या चार-दिन बीमार रहा और तुमने सिर्फ वान्या को ही पढ़ाया। पिछले हफ्ते शायद तुम्हारे दाँतों में दर्द हो रहा था और मेरी पत्नी ने तुम्हें दोपहर बाद छुट्टी दे दी थी। तो बारह और सात-उन्नीस। उन्नीस नागा। हाँ तो भई, घटाओ साठ में से उन्नीस ... कितने रहते हैं ..... अम् ... इकतालिस. रुबल! ठीक है?

जूलिया (रुआँसी हो जाती है। रोते स्वर में) जी हाँ!

गृहस्वामी: (डायरी के पन्ने उलटते हुए) हाँ, याद आया .... पहली जनवरी को तुमने चाय की प्लेट और प्याली तोड़ी थी। प्याली बहुत कीमती थी। मगर मेरे भाग्य में तो हमेशा नुकसान उठाना ही पड़ा है। ..... मैंने जिसका भला करना चाहा, उसने मुझे नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. खैर मेरा भाग्य .. हाँ, तो मैं प्याली के दो रुबल ही काढ़ूँगा .... अब देखो उस दिन तुमने ध्यान नहीं दिया और तुम्हारी नजर बचाकर कोल्या पेड़ पर चढ़ गया और वहाँ टहनी के खरोंच लगने से उसकी जैकेट फट गई। दस रुबल उसके गये। इसी तरह तुम्हारी लापरवाही की वजह से घर की सफाई करनेवाली नौकरानी ने वान्या के नए जूते चुरा लिये लिये .. ..

(रुककर) तुम मेरी बात सुन भी रही हो या नहीं?

जूलिया: (मुश्किल से अपनी रुलाई रोकते हुए) जी सुन रही हूँ |

गृहस्वामी: हाँ ठीक है! अब देखो भाई, तुम्हारा काम बच्चों को पढ़ाना और उनकी देखभाल करना है। तुम्हें इसी के तो पैसे मिलते हैं। तुम अपने काम में ढील दोगी तो पैसे कटेंगे या नहीं? ..... मैं ठीक कह रहा हूँ न ..... तो जूतो के पाँच रुबल और कट गये ..... और हाँ, याद आया, दस जनवरी को मैंने तुम्हें दस रुबल दिए थे ....।

जूलिया (लगभग रोते हुए) जी नहीं, आपने कुछ नहीं (आगे नहीं कह पाती)

गृहस्वामी: अरे, मैं क्या झूठ बोल रहा हूँ? मैं डायरी में हर चीज नोट कर लेता हूँ। तुम्हें यकीन न हो तो दिखाऊँ डायरी? (डायरी के पन्ने यूँ ही उलटने लगता है)

जूलिया: (आँसू पोंछती हुई) आप कह रहे हैं तो आपने दिये ही होंगे।

गृहस्वामी: (कड़े स्वर में) दिये होंगे नहीं-दिये हैं .... तो ठीक है। घटाओ सत्ताइस, इकतालीस में से ... अम् ..... अम् ... बचे चौदह। क्यों हिसाब ठीक है न?

जूलिया • (आँसू पीती हुई) (काँपती आवाज में) मुझे अभी तक एक ही बार कुछ पैसे मिले थे।

ध्यान पूर्वक पढ़े ।